भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †184

सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पाली क्षेत्र के विशेष संदर्भ में एसएएससीआई योजना का कार्यान्वयन

†184. श्री पी. पी. चौधरी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पाली जिले से विरासत और धार्मिक पर्यटन स्थलों के विशेष संदर्भ में विचार किए गए प्रस्ताव, यदि कोई हों, के साथ-साथ पूँजीगत व्यय/निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के चयन के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट मानदंड क्या हैं;

(ख) पाली क्षेत्र में रणकपुर जैन मंदिर और अन्य विरासत स्थलों को जोड़ने वाले धार्मिक पर्यटन सर्किट को बढ़ावा देने की योजनाओं सहित कम प्रसिद्ध स्थलों के विकास के लिए कार्यान्वित की जा रही रणनीतियाँ क्या हैं;

(ग) क्या पाली जिले में कम प्रसिद्ध स्थलों, विशेष रूप से प्राचीन मंदिरों और पारंपरिक शिल्प केंद्रों की पर्यटन क्षमता के संबंध में कोई मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या राजस्थान के प्रमुख पर्यटक सर्किटों के साथ-साथ पाली क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए किसी विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय प्रचार पहल की योजना बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के उद्देश्य से 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता - वैश्विक पैमाने पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' (एसएएससीआई) के लिए परिचालन (ऑपरेशनल) दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इस प्रयास की मुख्य विशेषताओं में अंतिम सिरे तक पर्यटक अनुभव विकसित करना, शॉर्टलिस्ट किए गए प्रस्तावों के लिए वित्त पोषण सहायता, पर्यटक मूल्य श्रृंखला के सभी बिंदुओं को मजबूत

करना, डिजाइन और विकास, टिकाऊ संचालन और रखरखाव आदि के लिए गुणवत्ता वाली विशेषज्ञता का उपयोग करना शामिल है। परियोजनाओं की पहचान संबंधित राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों, साइट से कनेक्टिविटी, पर्यटन इको-सिस्टम, वहन क्षमता, स्थिरता के उपाय, टिकाऊ संचालन और प्रबंधन, परियोजना प्रभाव और निर्मित मूल्य, पर्यटन विपणन योजनाएं आदि जैसे निर्धारित मापदंडों पर इसकी जांच के आधार पर की गई है। परियोजना का कार्यान्वयन और प्रबंधन संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाएगा।

इस योजना के तहत भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश के 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की कुल 40 पर्यटन संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें राजस्थान राज्य की 2 परियोजनाएं भी शामिल हैं। विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1	अंबर-नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र, जयपुर में विकास	49.31
2	जल महल, जयपुर में विकास	96.61

राजस्थान राज्य सरकार ने एसएएससीआई योजना के तहत पाली क्षेत्र से संबंधित कोई भी परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया।

पर्यटन मंत्रालय ने पाली जिले में कम प्रसिद्ध स्थलों की पर्यटन क्षमता के संबंध में कोई आकलन नहीं किया है। हालाँकि, मंत्रालय अपने 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के तहत योजना दिशानिर्देशों के साथ तालमेल में, धन आदि की उपलब्धता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के प्रयासों को पूरा करता है। राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में संलग्न है।

स्वदेश दर्शन योजना के संशोधित गंतव्य केंद्रित संस्करण, स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत मंत्रालय ने राजस्थान के बूंदी में 17.37 करोड़ रुपये की परियोजना 'आध्यात्मिक अनुभव, केशोवरायपाटन' को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न प्रचार पहलों जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रचार, कार्यक्रमों में भागीदारी, मेलों और त्योहारों आदि के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में राजस्थान के गंतव्यों सहित एक पर्यटन स्थल के रूप में भारत को समग्र रूप से बढ़ावा देता है।

*****

अनुबंध

श्री पी. पी. चौधरी द्वारा पाली क्षेत्र के विशेष संदर्भ में एसएएससीआई योजना के कार्यान्वयन के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †184 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
स्वदेश दर्शन			
1.	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	मरुभूमि परिपथ/ 2015-16	50.01
2.	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) एवं नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	कृष्ण परिपथ/ 2016-17	75.80
3.	आध्यात्मिक परिपथ 'चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोद के बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामां क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी का विकास - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	आध्यात्मिक परिपथ/ 2016-17	87.05
4.	विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग रोशनी) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेडी) - उदयपुर (प्रताप गौरव) केन्द्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफोर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	विरासत परिपथ/ 2017-18	70.61
प्रशाद			
1.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64

*****